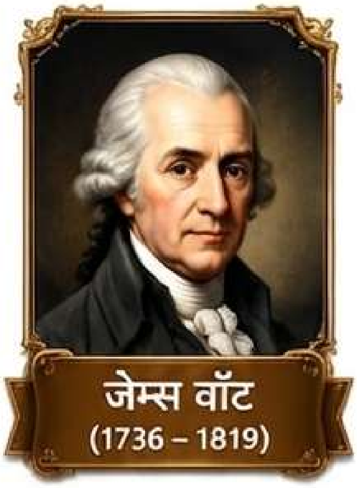

जेम्स वॉट

वह आविष्कारक जिसने दुनिया बदल दी

TechMotive
BY
Edu Bright Pages

19 जनवरी 1736 को स्कॉटलेंड के ग्रीनोंक शहर में जेम्स वॉट का जन्म हुआ। बचपन में उनका स्वास्थ्य कमजोर था, इसलिए वे नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पाते थे, लेकिन उनमें सीखने की इच्छा बहुत प्रबल थी। उन्हें चीजों को समझना, खोलकर देखना और नए तरीके सोचना बहुत पसंद था।

जेम्स वॉट को मशीनों और उपकरणों में गहरी रुचि थी। वे घंटों तक कार्यशाला में रहकर नई चीजें बनाते और पुराने उपकरणों को सुधारते रहते थे। एक दिन उन्होने उबलती हुई केतली से निकलती भाप को देखा। भाप ने केतली का ढक्कन ऊपर उठा दिया। वह दृश्य उनके मन में गहरे उतर गया। उन्होंने सोचा—**क्या भाप की इस शक्ति का उपयोग मशीनें चलाने के लिए किया जा सकता है?**

उस समय भाप इंजन पहले से मौजूद थे, लेकिन वे बहुत अधिक ईधन खर्च करते थे और उनकी क्षमता कम थी। जेम्स वॉट ने इस समस्या को हल करने का निश्चय किया। उन्होंने वर्षों तक अथक परिश्रम किया, कई प्रयोग किए और अंततः भाप इंजन में महत्वपूर्ण सुधार किए। उन्होंने 'अलग संघनक' (Separate Condenser) का आविष्कार किया, जिससे इंजन में ईधन की बचत हुई और उसकी कार्यक्षमता कई गुना बढ़ गई।

वॉट के सुधारों से कारखाने तेजी से चलने लगे, खदानों से पानी निकालना आसान हुआ और परिवहन के साधन अधिक प्रभाती बने। उनके आविष्कार ने औद्योगिक क्रांति को नई गति दी और मानव जीवन को आसान और समृद्ध बनाया। दुनिया भर के उद्योगों और वैज्ञानिकों ने उनके योगदान को सम्मान दिया। आज शक्ति की इकाई "वॉट" (Watt) उनके सम्मान में रखी गई है।

जेम्स वॉट ने सिद्ध कर दिया कि जिज्ञासा, मेहनत और निरंतर प्रयास से एक साधारण व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

सीखः

"छोटे सवाल ही बड़े आविष्कारों की शुरुआत करते हैं।"